

अधिकांक अमानत
बन सोबापनजी

बनाम
पुत्र जी

नं. ५६ सन् १९५७

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व-तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील
में जारी हुए

५५५४
बन सोबापनजी पुत्र जी हेतु
इसका कपड़ों का नुकसान
विषय आज पत्रावली दिनांक ५/५/५७
के पत्रों पर
दस्तावेज

५/५/५७
प.० नाकेयु डारि में
जन्म ले दी गई यह आदेशों
की प्रकृत में दिनांक १३/७/५७
को पत्र ले

राजस्थान लोक अदालत अभियान
न्याय आपके द्वार २०१

६६५४
पत्रावली राजस्थान लोक अदालत के माध्यम से
सिखोली के बंधु पुत्र जी पत्रावली एवं पत्रावली
पर उपरोक्त दिनांक में अन्वेषित किया गया,
बाद में श्री राजस्थान लोक अदालत में माफ़ी माँगे के
नाम पर लिखे हैं। तब से पुत्र जी आस्था लावाये
हैं। जिसके दिनों की रक्षा मन्त्रालय के
कर्मचारी द्वारा की जा रही है। पुत्र जी का
विषय आज पत्रावली पर है। जज
दुर्गा के ल, सुविधा का सुनिश्चित
अपूर्णाप शरीर का सिद्धान्त जारी
के पत्रों में जाया जाता है। अतः
जारी का पत्रावली पर अमानत
निवेदन है। इसी मन्त्रालय के माध्यम से



दस्तावेज
न्याय कलकत्ता

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियलस जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो
हुकम की तारीख
में जारी हुआ

तथा अप्रार्थित रूप से पूरा करने
निस्तारण एवं इस आदेश से परिबन्धित

बिना जाटा है। मैं आज खिजोली पेश

बि.नं. 627, 628, व नं. 631 है. थुम फल
0-11, 0-18, 0-92

निर्माण कार्य नहीं है. पूरा कार्यवाही पंक्ति
सीमा समाप्त

—एवम्
कलकत्ता
दिनांक:

